

प्रशासन ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिक्रिया है। अभियान के तहत अधिकारी-कर्मचारी गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समाधान कर रहे हैं। किसानों ने साझा किए खेती के अनुभव

शिविर में उद्घम संवाद भी हुआ। गोपालपुरा के किसान गुणवंत पाटीदार ने बताया कि उन्होंने करीब 100 बीघा में अमरुद की खेती की है। वर्तमान में अमरुद करीब 80 रुपए किलो बिक रहा है। डांगीखेड़ी के किसान राहुल पाटीदार ने औषधीय फसलों, अमरुद और चिरायता की खेती की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चिरायता की खेती से गत वर्ष करीब 25 लाख रुपए की शुद्ध आमद हुई। मबाइल एप के उपयोग से खेती की लागत में करीब 25 प्रतिशत कमी आने की बात भी उन्होंने बताई।